डीडवाना में राज्यपाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले व्यक्तित्व थे : राज्यपाल बागड़े

डीडवाना, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े रविवार को डीडवाना के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान राज्यपाल बागड़े ने कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और हॉस्पिटल चौराहे पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया। राज्यपाल बागड़े ने प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और उनके साथ व्यतीत किये गए समय के अनुभवों को साझा किया।

राज्यपाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन संघर्षों से भरा हुआ रहा, परंतु उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में रहकर भी अपना पूरा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय चुनावी राजनीति से दूर रहकर जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले व्यक्तित्व थे। उन्होंने गरीब को परमेश्वर माना और अंत्योदय की संकल्पना दी ताकि गरीब कल्याण सुनिश्चित हो सके। राज्यपाल ने कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को अपनाने और उनके पदचिन्हों पर चलने का आव्हान किया।

इस दौरान कार्यक्रम को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत, राज्यसभा सांसद सतीश पूनियां ने भी संबोधित किया और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के महत्व से अवगत करवाया। इस अवसर पर कार्यक्रम में राज्यपाल बागड़े द्वारा लोकतंत्र सेनानियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी, सांगलिया धूणी के पीठाधीश्वर ओमदास महाराज, मुकेश दाधीच, जिलाध्यक्ष सुनीता रांदड, जितेंद्र सिंह जोधा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े ने डीडवाना के हॉस्पिटल चौराहे पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया।

- राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पदचिन्हों पर चलकर अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने का आव्हान किया

इससे पूर्व राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान राज्यपाल महोदय ने जिले के नीट एवं जेईई में चयनित छात्र- छात्राओं से भी मुलाकात की। बैठक में जिला कलैक्टर अवधेश मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ. प्यारेलाल शिवरान, अतिरिक्त जिला कलैक्टर रतन कुमार सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कोटा में नीट की तैयारी कर रही बिहार की छात्रा बालकनी से गिरी

कोटा, (निसं)। कोटा आकर मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम नीट की तैयारी कर रही बिहार निवासी 17 वर्षीय छात्रा के बालकनी से गिरने का मामला सामने आया है। बिहार के मधेपुरा निवासी छात्रा का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। वह लंबे समय से कोटा में रह रही है। घटना लैंडमार्क सिटी इलाके के एक हॉस्टल में शुक्रवार को हुई। इस संबंध में भी हॉस्टल संचालक ने पुलिस को सूचना दी।

कुन्हाड़ी थाना अधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि दुर्घटना 14 अगस्त को हुई थी। लड़की के ज्यादा चोट नहीं लगी है। चौथी मंजिल से गिरते समय वह बीच में बिजली के तारों से उलझ गई थी, इसके चलते बच गई। घटना के तत्काल बाद छात्रा को निजी अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर परिजन भी कोटा पहुंचे। फिलहाल बालिका की तबीयत नॉर्मल है। हालांकि बयान देने की स्थिति में नहीं है।

- घायल छात्रा का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है

घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें बालिका गिरने के बाद सड़क पर पड़ी नजर आ रही है। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। तत्काल एंबुलेंस बुलवा उसे अस्पताल भेज दिया था। उसके हाथ, पैर और सिर में चोट है। फिलहाल घटना का कारण सामने नहीं आया है। यह भी सामने नहीं आया है कि बालिका गिरी है या हादसा उसने खुद किया है। पुलिस जांच में जुटी है। बालिकाओं के परिजन भी आ गए लेकिन कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

भांकरी में एक ही रात में चार मकानों में चोरी

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला भांकरी गांव के कल्याणपुरा के पास स्थित मालियों की ढाणी का है, जहां अज्ञात चोरों ने एक ही रात में चार-पांच मकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपये की नकदी और लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। एक साथ कई घरों में चोरी की वारदात सामने आने के बाद ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों ने सबसे पहले ख्यालीराम पुत्र भूलाराम सैनी के मकान को निशाना बनाया। चोरों ने खिड़की तोड़कर घर में प्रवेश किया और लाखों रुपये कीमत के आभूषण चोरी कर लिए। बताया जा रहा है कि ये आभूषण परिवार की बेटी ज्योकि दिल्ली पुलिस में कार्यरत है की आगामी शादी के लिए पिछले कई महीनों से संभालकर रखे गए थे। ऐसे में चोरी की इस वारदात ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

इसके बाद चोरों ने ओमप्रकाश सैनी पुत्र चंदाराम सैनी के मकान में भी सेंध लगाई। यहां मकान के लेंटर निर्माण के लिए रखी गई लाखों रुपये की नकदी सहित जेवरात पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। इसके अलावा आसपास के अन्य मकानों को भी चोरों ने निशाना बनाया। कई घरों में खिड़कियां और मुख्य दरवाजे तोड़कर चोरी की गई। हालांकि एक मकान में चोर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके। रविवार सुबह जब ग्रामीण अपने घरों में पहुंचे तो कमरों और सामान को अस्त-व्यस्त देखकर उनके होश उड़ गए। घरों के दरवाजे और खिड़कियां टूटी मिलीं तथा सामान बिखरा पड़ा था। सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। विराटनगर वृताधिकारी उमेश निठारवाल तथा प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित परिवारों से जानकारी ली। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की। वहीं एफएसएल और एमओबी टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से संभावित महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्ध लोगों और पूर्व में चोरी की वारदातों में शामिल रहे बदमाशों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। डबोक थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिडंत में घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को डबोक थाना क्षेत्र चित्तौड़ से उदयपुर रोड़ सिंघानिया के समीप दो बाइकों की आमने-सामने भिडंत होने से चावण्ड सराड़ा निवासी अजय रावल (23) पुत्र नारायणनाथ रावल की मौत हो गई तथा साथी हार्दीक मीणा निवासी आसपुर घायल हो गया। दोनों बाइक पर सावंरिया जी से दर्शन कर घर लौट रहे थे।

नाबालिग बालिका को रेस्क्यू किया

कोटा, (निसं)। मानव तस्करी विरोधी यूनिट टीम ने कार्रवाई करते हुए घर से लापता हुई 14 वर्षीय नाबालिग को तलवंडी क्षेत्र से रेसक्यू किया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 12 अगस्त को फरियादी ने रिपोर्ट दी थी कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी बिना बताये घर से चली गई है, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर तलाशी के लिये मानव तस्करी विरोधी यूनिट प्रभारी मीनाक्षी के नेतृत्व में टीम का गठन किया, गठित टीम ने तलवंडी क्षेत्र से बालिका को सुरक्षित रेस्क्यू करवाकर प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान कार्रवाई हेतु थाना को सुपुर्द किया।

करौली में जिला स्तरीय समारोह में डोरी टूटने से तिरंगा झंडा नीचे गिरा

फिर से तिरंगा झंडा को पोल पर चढ़ाने के बाद ध्वजारोहण किया गया

करौली, (निसं)। करौली के त्रिलोकचंद माथुर स्टेडियम में शनिवार को 80 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलैक्टर अक्षय गोदारा द्वारा ध्वजारोहण करते समय डोरी टूटने से तिरंगा झंडा के नीचे गिरने से बड़ी लापरवाही सामने आई। हालांकि फिर से तिरंगा झंडा को पोल पर चढ़ाने के बाद ध्वजारोहण किया गया और स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह पूर्वक मनाया गया, लेकिन घटना को लेकर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में तिरंगे के अपमान की बड़ी चर्चा रही।

जिले में सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में शनिवार को 80 वे स्वतंत्रता दिवस समारोह को उत्साह पूर्वक मनाया गया। जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह यहां के त्रिलोकचंद माथुर स्टेडियम में ध्वजारोहण करने जिला कलैक्टर अक्षय गोदारा निर्धारित समय पर पहुंचे उनके ध्वजारोहण करते समय डोरी टूटने से जिला कलैक्टर के ठीक सामने तिरंगा झंडा नीचे गिरते ही जिला कलैक्टर के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उसके बाद स्वतंत्रता दिवस समारोह कार्यक्रम में जिला कलेक्टर द्वारा पुलिस परेड का निरीक्षण किया गया और और पुलिस परेड की सलामी ली गई। इसी मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर द्वारा राज्यपाल के संदेश का पठन किया गया एवं जिला कलैक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी अधिकारी के अलावा सामाजिक क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य करने वालो को प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

जोधपुर में दो युवकों से 15 लाख की ठगी

पीड़ितों ने नागौरी गेट थाने में ठगी के प्रकरण दर्ज कराए

जोधपुर, (कासं)। शहर में दो युवकों से इंवेस्टमेंट के नाम पर 15 लाख से ज्यादा की ठगी के प्रकरण दर्ज हुए हैं। पीड़ितों ने नागौरी गेट थाने में ठगी के प्रकरण दर्ज कराए हैं।

नागौरी गेट पुलिस ने बताया कि मेघवाल बस्ती निवासी पृथ्वीराज पुत्र रामनारायण की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि कुछ समय पहले उसकी पहचान ऋतुल पाटीदार से हुई थी। उसने बड़े मुनाफे का प्रलोभन दिया था। उसने निवेश के नाम पर उससे 9 लाख रूपए ऐंठ लिए। मगर ना तो मुनाफा मिला और ना ही दी गई रकम वापिस मिल पाई। पीड़ित ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ऋतुल ने बाद में अपना फोन भी बंद कर दिया। नागौरी गेट पुलिस ने प्रकरण पर अब जांच आरंभ की है। दूसरी तरफ मिरासी कॉलोनी रेलवे स्टेशन के सामने नागौरी गेट के रहने वाले समीर अली पुत्र मुमताल अली की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी पहचान पवन गुप्ता नाम के शख्स से हुई थी। जिसने शेयर बाजार में इंवेस्टमेंट के नाम पर उससे 6 लाख 65 हजार रूपए निवेश करवाए। मगर काफी समय गुजरने के बाद भी कोई मुनाफा नहीं हुआ। ऑनलाइन खाते में रकम को ट्रांसफर किया गया।

हादसे में जीजा-साले की मौत

उदयपुर, (कासं)। जावरमाइन्स थाना क्षेत्र में डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल जीजा साले की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर में जावरमाइन्स थाना क्षेत्र पलोड़ा रोड़ पर डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पलोदड़ा निवासी किशन (25) पुत्र नाथू मीणा एवं उसका साला प्रकाश (16) पुत्र चेना मीणा निवासी बगूरवा गंभीर घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां दोनों की मौत हो गई। इस पर एएसआई प्रतापसिंह ने मृतकों को पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। किशन अपने साले को बाइक पर लेकर घर से निकला ही था। इसी दौरान उदयपुर की तरफ से आ रहे डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसे के बाद चालक डंपर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

- डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी थी

बुजुर्ग महिलाओं को बातों में उलझाकर जेवर उतरवाए

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में चार महिलाओं ने दो बुजुर्ग महिलाओं को बातों में उलझाकर चांदी-सोने के जेवर उतरवा लिए। भींडर थाना क्षेत्र के सवना इलाके में पहली वारदात शनिवार शाम को हुई। वहीं दूसरी वारदात भींडर थाना क्षेत्र के शाहजी की भागल पावर हाउस क्षेत्र में करीब 3 घंटे बाद हुई।

जानकारी के अनुसार सोहनी बाई ओड (50) ने बताया कि मुझे लगा चारों महिलाएं घर-घर मांगने वाली हैं या फिर पानी पीने आईं हैं। वे बोलीं कि हमारे यहां चोरी हो गई है। दूसरी महिला बोली कि मेरी बेटी की शादी करनी है। इसी तरह बातें बनाती रहीं। इस दौरान मुझे बातों में ऐसा उलझाया कि मुझे पता ही नहीं लगा कि कब मैंने गले से करीब आधा तोले वजनी सोने का मादलिया खोलकर उन्हें दे दिया। इसके बाद वे तुरंत रवाना हो गईं। बाद में लूट का पता लगा। नगर पालिका रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पुलिस को चार संदिग्ध महिलाएं दिखीं हैं।

घटना के करीब तीन घंटे बाद भींडर के शाहजी की भागल पावर हाउस क्षेत्र में काली बाई डामर (70) के साथ भी इसी तरह की वारदात सामने आई। काली बाई ने बताया कि मुझे बातों में उलझाकर तरह-तरह की बातें कीं। उनमें से एक महिला ने मेरे शरीर पर हाथ फेरा। फिर पैर से करीब एक किलो चांदी की कडियां निकलवा लीं। वे 4 महिलाएं थीं। इनमें से दो महिलाओं ने बातचीत शुरू की।बाद में जब मुझे जेवर गायब होने का पता लगा तो मैंने परिजनों को इसकी सूचना दी। घटना की शिकायत भींडर थाने में दर्ज कराई गई है। इसके बाद पुलिस आरोपी महिलाओं की तलाश में जुटी है। पुलिस आसपास सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपी महिलाओं की तलाश में जुटी है। पुलिस को भींडर नगर पालिका रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पुलिस को चार संदिग्ध महिलाएं दिखीं हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुट गई हैं। दोनों घटनाओं में शामिल महिलाओं के हुलिए बातचीत के तरीके और वारदात के पैटर्न को देखते हुए पुलिस जांच में जुटी है। वहीं एक ही दिन में महिलाओं के साथ हुई 2 वारदातों ने इलाके में महिला सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

सरसों के तेल में मिलावट करने वाला गिरोह पकड़ा

टोंक, (निसं)। गत शुक्रवार की रात्रि को जिला स्पेशल टीम व पुलिस थाना बरोनी टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए पीपलू क्षैत्र के सोहेला बाइपास पर एक ढाबे पर दबिश देकर ढाबे के पिछे बने एक कमरे में भारी मात्रा में अवैध रूप से भण्डारण किये गये सरसों का खाद्य तेल तथा मौके पर खाद्य तेल के अमानक परिस्थितियों में अवैध भण्डारण एवं विक्रय में संलिप्त तीन आरोपियों को पूछताछ के बाद प्रकरण में संदिग्ध पाये जाने पर गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस की सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर मय टीम मौके पर पहुंचकर खाद्य तेल के सैम्पल लेकर करीब 2800 लीटर सरसों के तेल को जब्त किया गया। टीम ने मौके से एक पिकअप, स्विफ्ट डिजायर कार और 28,005 रुपए की खरीद-फरोख्त राशि भी बरामद की है। तीन आरोपियों को डिटेन कर बरौनी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी सरसों के तेल में मिलावट कर उसे नामी कंपनियों के नाम से बेचने का अवैध कारोबार कर रहे थे।

चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार आरोपी सहित कबाड़ी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून पुलिस टीम ने डीआरसी प्लांट में लोहे की सटरिंग प्लेटें चोरी करने की वारदात का खुलासा करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही पुलिस टीम ने चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी को भी पकडा है। मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को विधि संघर्षरत् निरूद्ध किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 12 अगस्त को फरियादी विष्णु चौधरी ने थाने पर रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसका काम बालापुरा लिफ्ट परियोजना का सांगोद रोड नहर की पुलिया के पास चल रहा है, रिपोर्ट में कहा कि मौके पर लोहे की स्टरिंग प्लेटें 18 नहीं मिली पता नहीं कोई अज्ञात व्यक्ति लोहे की स्टरिंग प्लेटें चुरा कर ले गये। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह सिकरवार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए कैथून निवासी सिकन्दर (47), कैथून निवासी अयान (20), कैथून निवासी राहुल (21) एवं कैथून निवासी शोयब (20) को गिरफ्तार किया। साथ ही चोरी का माल खरीदने वाले भीमपुरा निवासी कबाड़ी फरियाद हुसैन (49) को भी पकड़ा एवं एक बालक को विधि से संघर्षरत निरूद्ध किया। पुलिस टीम ने पकडे गये आरोपियों से लोहे की 17 सटरिंग प्लेटें व थाना सीमलिया थाना क्षेत्र से चुराई हुई दो मोटरसाइकिलें व घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह बेहद शातिराना और संगठित तरीके से काम करता था जो प्लांटों व मकानों की रैकी करता है, जिनके घरों के बाहर जो मोटरसाइकिलें मिलती उनको मास्टर की से चोरी करके ले जाते हैं। उसके बाद सुनसान जगह पर छुपा देते हैं तथा मोटरसाइकिलों को खोलकर उनके पार्टस को अलग-अलग करके बेच देते हैं।

- मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को विधि संघर्षरत् निरूद्ध किया है

रूपयों से भरा बैग लेकर भागा बदमाश

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा इलाके के शॉपिंग सेंटर क्षेत्र में एक जने द्वारा कार से उतरकर पांच लाख रूपये से भरा बैग लेकर भागने का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि रूपयों से भरा बैग लेकर भागने वाला बदमाश पीड़ित का ही परिचित था। जानकारी के अनुसरा इलाके के शॉपिंग सेंटर में एक कार में तीन-चार जने बैठकर बात कर रहे थे। इसी दौरान एक अख्तर नाम का युवक रूपयों से भरे बैग को लेकर कार से उतरकर भागने लगा, जिसका कार में बैठे अन्य ने पीछा भी किया। पूरा घटनाक्रम वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गया। पीड़ित ने इसकी शिकायत गुमानपुरा थाने में दी है। गुमानपुरा थानाधिकारी सुनील सिंह सिसोदिया ने बताया कि सोहेल नाम के युवक ने शिकायत दी है, मामले में क्रिप्टो करेंसी की बात सामने आ रही है, पीड़ित ने अख्तर नाम के युवक के खिलाफ पांच लाख रूपयों से भरा बैग ले जाने की रिपोर्ट दी है। थानाधिकारी ने बताया कि पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच एवं फरार आरोपी की तलाश की जा रही हैं।

सिर के ऑपरेशन के बाद एक साल की बच्ची की मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में आरएनटी मेडिकल कॉलेज के बाल चिकित्सालय में शनिवार देर रात एक साल की बच्ची की मौत हो गई। परिजनों ने उदयपुर में आरएनटी मेडिकल कॉलेज के बाल चिकित्सालय में शनिवार देर रात एक साल की बच्ची की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। मामले में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कई बार स्टाफ को बच्ची की हालत बिगड़ने की जानकारी दी, लेकिन वहां तैनात स्टाफ ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। परिजनों ने कहा कि उन्हें बच्ची से मिलने के लिए वार्ड में जाने से भी रोक दिया गया। हंगामे की सूचना पर हाथीपोल थानाधिकारी राजू देवी जाब्ते के साथ मौके पर पहुंची और समाझाइश के बाद मामला शांत कराया। परिजनों ने इस संबंध में थाने में शिकायत भी दर्ज कराई है।

डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची को बचाने की पूरी कोशिश की गई। इलाज में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती गई। आलू फैक्ट्री निवासी दिनेश सालवी ने अपनी 1 साल की बेटी आराध्या को 11 अगस्त को बाल चिकित्सालय में भर्ती कराया था। दूसरे दिन डॉक्टरों ने उसके सिर में गांठ का ऑपरेशन किया था। जिसके बाद उसे आईसीयू में शिफ्ट किया गया। दिनेश ने बताया कि उनकी बच्ची सुबह अच्छे से हंस-बोल रही थी, लेकिन कुछ समय बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। हमने वहां मौजूद स्टाफ को बार-बार बताया लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की। आखिरकार बच्ची ने दम तोड़ दिया। नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टर्स की लापरवाही से मेरी बच्ची की जान गई है।

- परिजनों ने नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की

शिक्षा निदेशालय में एक करोड़ खर्च होने के बाद भी मीटिंग हॉल का कार्य सात साल से अधूरा

- भवन का स्ट्रक्चर करीब चार साल पहले तैयार हो चुका था, लेकिन फर्नीचर तक नहीं लगाया गया
- इस्तेमाल शुरू होने से पहले ही दीमक ने स्टेयर, दीवारों और टॉयलेट को नुकसान पहुंचा दिया, जबकि खिड़कियों के कांच भी टूट चुके हैं

बीकानेर, (निसं)। यहां शिक्षा निदेशालय में करीब एक करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी मीटिंग हॉल सात साल से अधूरा पड़ा है। भवन का स्ट्रक्चर करीब चार साल पहले तैयार हो चुका था, लेकिन फर्नीचर तक नहीं लगाया गया। इस्तेमाल शुरू होने से पहले ही दीमक ने स्टेयर, दीवारों और टॉयलेट को नुकसान पहुंचा दिया, जबकि खिड़कियों के कांच भी टूट चुके हैं। खास बात यह है कि यह भवन निदेशालय परिसर में अधिकारियों की सीट से महज 100 मीटर दूर है, फिर भी इसे पूरा कराने की सुध नहीं ली गई। तत्कालीन विधायक गोपाल कृष्ण जोशी ने 20 लाख की मांग के बजाय 50 लाख रुपए विधायक कोटे से दिए थे। अब करीब एक करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भवन को उपयोग में लाने की जगह उसके खंडहर बनने का खतरा है।

बीकानेर के शिक्षा निदेशालय परिसर में अधिकारियों की बैठकों के लिए मीटिंग हॉल बनाने का काम करीब सात साल पहले शुरू हुआ था।

इसकी शुरुआत तत्कालीन शिक्षा निदेशक नथमल डिडेल के प्रयासों से हुई। उन्होंने तत्कालीन भाजपा विधायक गोपाल कृष्ण जोशी से विधायक कोटे से 10 से 20 लाख रुपए देने का आग्रह किया था। प्रोजेक्ट को बेहतर मानते हुए जोशी ने 20 लाख की जगह 50 लाख रुपए दिए और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त बजट देने का आश्वासन भी दिया। इसके बाद डिडेल का ट्रांसफर हो गया। करीब चार साल पहले भवन का स्ट्रक्चर तैयार हो गया और अब तक करीब एक करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। हॉल का निर्माण आधुनिक सुविधाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। इसमें स्टेयर बनाई गई थी, ताकि पीछे बैठने वाले लोग भी मंच पर मौजूद व्यक्ति को आसानी से देख सकें। हर चेयर के आगे माइक लगाने की व्यवस्था की गई थी। टॉयलेट और अन्य कमरे भी बनाए गए हैं।

तत्कालीन विधायक गोपाल कृष्ण जोशी ने 50 लाख रुपए देने के साथ हर सीट पर माइक सिस्टम लगाने के लिए भी कहा था। यानी भवन को इस तरह तैयार किया गया था कि इसमें अधिकारियों की नियमित बैठकों के साथ बड़े अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और मंत्री या मुख्यमंत्री के कार्यक्रम भी हो सकें। भवन का स्ट्रक्चर तैयार होने के करीब चार साल बाद भी इसमें फर्नीचर तक नहीं लगाया जा सका है। मुख्य रूप से अब फर्नीचर का काम बाकी है। फर्नीचर लगने के बाद हॉल का उपयोग शुरू किया जा सकता है। लेकिन जिस जगह टेबल-कुर्सियां लगनी थीं और अधिकारियों की बैठकें होनी थीं, वहां लंबे समय से काम बंद पड़ा है। इस दौरान खिड़कियों के कांच टूट चुके हैं। स्टेयर, दीवारों और टॉयलेट में दीमक लग चुकी है। यानी जिस हॉल को बैठकों के लिए तैयार किया गया था, वह उपयोग शुरू होने से पहले ही खराब होने लगा है। हाल ही में रिटायर हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट करीब दो साल तक निदेशालय में रहे, लेकिन इस दौरान भी भवन को पूरा करवाने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई।

रिटायर संयुक्त निदेशक रमेश हर्ष का कहना है कि यह भवन तत्कालीन निदेशक नथमल डिडेल और तत्कालीन विधायक गोपाल कृष्ण जोशी के प्रयासों से बना था। अब विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

इस हॉल का उपयोग डीईओ और डीडी स्तर के अधिकारियों की मीटिंग के लिए किया जा सकता है। मंत्री या मुख्यमंत्री के बीकानेर आने पर भी यह हॉल उपयोगी साबित हो सकता है। उनका कहना है कि जिस उद्देश्य से यह भवन बनाया गया था, उसका फायदा अब तक नहीं मिल पाया है।

दावे का भुगतान समय पर नहीं करने पर बीमा कंपनी पर हर्जाना लगाया

जोधपुर, (कासं)। कोरोना से डॉक्टर की मृत्यु का पचास लाख रुपए दावे का भुगतान सवा दो साल बाद किए जाने पर बीमा कंपनी को 10 लाख 29 हजार रूपए बतौर ब्याज और 20 हजार रूपए हर्जाना तथा परिवाद व्यय 11 हजार रुपए अदा करने होंगे। जिला उपभोक्ता आयोग जोधपुर प्रथम के अध्यक्ष राजकुमार सुथार और सदस्य दिलशाद अली ने परिवाद मंजूर करते हुए न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक और चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय के उप महाप्रबंधक को दो माह में इसकी पालना करने का आदेश दिया।

अंजना व्यास ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से परिवाद दायर कर कहा कि उनके पति डॉ. मनमोहन व्यास जब रेवाड़ी के एक अस्पताल में कार्यरत थे तभी कोरोना ग्रसित मरीजों का इलाज करते वे एक मई 2021 को कोरोना की चपेट में आ गए और 17 मई को गुरूग्राम के अस्पताल में उनका निधन हो गया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज योजना के तहत न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी ने उनका दावा देरी से कागजात पेश करने पर ख़ारिज कर दिया, जिसे राजस्थान उच्च न्यायालय में चुनौती दिए जाने पर 12 दिसंबर 2023 को रिट याचिका का निस्तारण करते हुए बीमा कंपनी को दो माह में दावा निपटान करने का आदेश दिया। बीमा कम्पनी की ओर से पालना नहीं किए जाने पर अवमानना याचिका के नोटिस जारी होते ही 3 सितंबर 2024 को परिवादी को पचास लाख रुपए का भुगतान कर दिया।

अधिवक्ता अनिल भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि इरडा द्वारा अधिसूचित स्वास्थ्य बीमा 2016 में 30 दिन में दावा निपटान करने का आज्ञात्मक प्रावधान है और परिवादी ने सभी कागजात 22 मार्च 2022 तक पेश कर दिए थे, सो बीमा कंपनी ब्याज वास्ते दाई है। बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि हाईकोर्ट ने ब्याज का कोई आदेश नहीं दिया है और भारत सरकार ने न्यू इंडिया को कुल 110 करोड़ रुपए प्रीमियम दिया है सो जिला आयोग में परिवाद पोषणीय नहीं है।

जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए बीमा कंपनी पर 20 हजार रुपए हर्जाना और 11 हजार रूपए परिवाद व्यय लगाते हुए कहा कि परिवादी को पचास लाख रुपए का भुगतान होने से ब्याज के वास्ते जिला आयोग को परिवाद सुनने का अधिकार है। उन्होंने इरडा द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय के उप महाप्रबंधक को दो माह में 22 मई 2022 से 3 सितंबर 2024 तक पचास लाख रुपए पर 9 फीसदी ब्याज अदा करने का आदेश दिया।

- जिला उपभोक्ता आयोग जोधपुर ने परिवाद मंजूर करते हुए आदेश दिये